गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा (राज.)

वेद विद्यापीठ, बाँसवाड़ा
एम.ए. पूर्वार्द्ध
ज्योतिर्विज्ञान
प्रथम प्रश्नपत्र (jy101)
वार्षिक – पाठ्यक्रम
ज्योतिर्गणित

अंक – 100
समय 3 घण्टा
खण्ड अ अंक 20
खण्ड ब अंक 50
खण्ड स अंक 30

पाठ्यक्रम :–
ज्योतिर्विज्ञान का उद्भव एवं विकास, भचक एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र, कालगणना, प्रमुख ज्योतिष आचार्य, विंशोत्तरी अन्तर्दशा, साधन पंचसिद्धान्तिका –अध्याय 15 ज्योतिषोपनिषद् संपूर्ण। सूर्यसिद्धांत अध्याय – 1 मध्यमधिकारसंपूर्ण।

इकाई प्रथम–
ज्योतिर्विज्ञानकाउद्गम एवंविकास–भचक एवंग्रह, राशियां एवं नक्षत्र–स्वरूप, स्वामीतथासंज्ञाएं।

इकाई द्वितीय–
कालगणना (त्रुटि से ब्रह्मा की आयुपर्यन्त, स्थानीय सूर्य घटी, मध्यम मानक एवं ग्रीनविच समय तथा काल परिर्वन अयनांश साधन) प्रमुख ज्योतिर्विद एवं उनकी कृतियां।
पराशर, आर्यभट्टप्रथम, आर्यभट्ट द्वितीय, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्यप्रथम, भास्कराचार्य द्वितीय, राजाभोज, लल्ल,केशव, गणेश, श्रीराम, नीलकण्ठ,वैद्यनाथ, कल्याणवर्मा, वासुदेव शास्त्री व्यंकटेश बापूकेतकर, सुधाकर, द्विवेदी, शंकर बालकृष्ण दीक्षित।

इकाई तृतीय–
विंशोतरीदशाएं, अन्तर्दशासाधन।

इकाई चतुर्थ–
पंचसिद्धान्तिका अध्याय 15 – ज्योतिषोपनिषद् संपूर्ण

इकाई पंचम–
सूर्यसिद्धांत अध्याय 01 – मध्यमाधिकारसंपूर्ण।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र अ,ब एवं स खण्डों मे विभक्त होगा। खण्ड अ 20 अंको का, खण्ड ब – 50 अंको का एवं खण्ड स' 30 अंको का होगा। खण्ड अ' में 10 प्रश्न अतिलघुरात्मक विकल्प रहित होगें। खण्ड ब' में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्नों का चयन करते हुए 10 प्रश्न पूछे जावेगे। प्रत्येक इकाई

से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। खण्ड स' में 06 प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) पूछे जायेंगे। कोई दो प्रश्न हल करने होंगें।

सहायक ग्रन्थः–

1 भारतीय ज्योतिष डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2 ज्योतिष शास्त्र डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, विश्वभारती ज्योतिषम् प्रकाशन, वाराणसी।
3 वृहज्जातक वराहमिहिर चौखम्भा संस्कृत सिरीज, वाराणसी।
4 गोलपरिभाषा डॉ. कामेश्वर उपाध्याय चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी।
5 वृहत्पाराशरहोरा शास्त्रम् श्रीगणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन वाराणसी।
6 भारतीय कुण्डली विज्ञान, मीठालाल ओझा, वाराणसी।
7 वेदोक्त ज्योतिष एवं वेदार्थ – स्वा. ब्रह्मानन्द सरस्वती सत्यार्थ प्रकाशन न्यास, कुरूक्षेत्र, (हरिद्वार)।
8 हमारा ज्योतिष एवं धर्म शास्त्र – आचार्य हरिहर पाण्डेय, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, 6 गांधी मार्ग हजरतगंज लखनऊ।

गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बॉसवाड़ा (राज.)

(आचार्य)

एम.ए.पूर्वार्द्ध ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय –प्रश्न पत्र (jy102)

फलितज्योतिष

पाठ्यक्रम

जातकपरिजात – अध्याय– 1, 2,6,7

लघुपाराशरी अध्याय 1. – संज्ञा अध्यायः

अध्याय 2. – (योग फलाध्यायः) योगचिन्तामणिसंपूर्ण

इकाई प्रथम – जातक परिजात अध्याय 01 एवं 02

इकाई द्वितीय – जातक परिजात अध्याय 06 (जातक भंगाध्याय)

इकाई तृतीय – जातकपरिजात अध्याय 07 (राजयोगाध्याय)

इकाई चतुर्थ – लघुपाराशरी – अध्याय 01 – संज्ञाध्यायः

अध्याय 02 – योगफलाध्यायः

इकाई पंचम – योगचिन्तामणि – संपूर्ण

प्रश्नपत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र अ,ब एवं स खण्डों मे विभक्त होगा। खण्ड अ 20 अंको का, खण्ड ब – 50 अंको का एवं खण्ड स' 30 अंको का होगा। खण्ड अ' में 10 प्रश्न अतिलघुरात्मक विकल्प रहित होगे। खण्ड ब' में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्नों का चयन करते हुए 10 प्रश्न पूछे जायेगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। खण्ड स' में 05 प्रश्न (प्रत्येक इकाईसे एक प्रश्न) पूछे जायेगे। कोई दो प्रश्न हल करने होगें।

सहायक पुस्तकें :–

1 जातकपरिजातवैद्यनाथ – पं. कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

2 लघुपाराशरीपराशर, टीकाकार डॉ. उमेशपुरी ज्ञानेश्वर रणधीर प्रकाशन जयपुर।

3 जातक परिजात श्री वैद्यनाथ विरचित – कपिलेश्वर शास्त्री,चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

4 जातक पारिजात – गोपेशकुमारओझा – मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।

5 सारावली – कल्याणवर्मा, मुरलीधरचतुर्वेदी मोतीलाल बनारसीदास,वाराणसी।

6 योगचिन्तामणिः ओर व्यवहार ज्योतिष – डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

तृतीय प्रश्न पत्र
एम.ए.पूर्वार्द्ध, ज्योतिर्विज्ञान (JY 103)
पंचागविमर्श
पाठ्यक्रम

ग्रहलाघवः– अध्याय 1– मध्यमधिकारः, अध्याय 2– रविचन्द्रस्पष्टाधिकारः पंचाग व्यवहार :, व्रतोत्सव, पर्व, तिथि, सूतक, श्राद्ध निर्णय।

इकाई– प्रथम

ग्रहलाघव : – अध्याय 1 मध्यमाधिकारः

इकाई द्वितीय

ग्रहलाघव : अध्याय 2 रविचन्द्रस्पष्टाधिकार :

इकाई तृतीय

ग्रहलाघव : अध्याय 3 – पंचतारास्पष्टीकरणाधिकार :

इकाई चतुर्थ –

पंचाग व्यवहार संवत परिचय (सृष्ट्यादि,मन्वादि,युधिष्ठिर,कलि,महावीर,निर्वाण,बौद्ध,विक्रम, शालिवाहन,मिस्त्री, चीनी, जूलियन ग्रेगोरियन, हिजरी, फसली, राष्ट्रीय शक) ग्रह राशि तथा मासों के हिंदी ,अंग्रेजी तथा उर्दू नाम , पंचाग संकेताक्षर, पंचाग परिवर्तन , वर्षेशादि विचार , अवकहडा चक्र तथा चौघड़िया।

इकाई पंचम –

व्रतोत्सव, पर्व, तिथि, सूतक तथा श्राद्ध,ज्योतिर्विदाभरण–अध्याय 21 कालनिर्णय प्रकरण तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय पंचाग संप्रदाय (सौर,ब्राह्म, आर्ष, ग्रहलाघवीय, मकरदीय, चित्रापक्षीय) धार्मिक संप्रदाय– स्मार्त, वैष्णव ,शैव, निम्बार्क ,वल्लभ आदि।

लौकिक पर्व – गणेशोत्सव , रावी, रंगपंचमी, रावणदहन, होली, दीवाली, नवरात्री।

प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र अ,ब एवं स खंण्डों मे विभक्त होगा। खण्ड अ 20 अंको का, खण्ड ब– 50 अंको का एवं खण्ड स' 30 अंको का होगा। खण्ड अ' में 10 प्रश्न अतिलघुरात्मक विकल्प रहित होगे। खण्ड ब' में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्नों का चयन करते हुए 10 प्रश्न पूछे जायेगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। खण्ड स' में 05 प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) पूछे जायेगे। कोई दो प्रश्न हल करने होगें।

सहायक ग्रन्थ :–

1 ग्रहलाघव– गणेशदेवज्ञ, डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।

2 ज्योतिर्विदाभरणं– कालिदास, व्याख्या– प्रो. रामचंद्र पाण्डेय, मोतीलाल वाराणसी दास, वाराणसी।

3 भारतीय ज्योतिष, शंकरबाल कृष्ण दीक्षित, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ।

4 तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय डॉ. विकास शर्मा , हंसा प्रकाशन , जयपुर।

5 अवकहडा चक्र –चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

(प्रथम) चतुर्थ प्रश्न–पत्र

एम.ए. पूर्वार्द्ध ज्योतिर्विज्ञान (JY 104)

(सामुद्रिक प्रश्न एवं शकुन शास्त्र)

पाठ्यक्रम

सचित्र सामुद्रिक रहस्य,षट्पंचाशिका, बसन्तराज शाकुन (छिक्का प्रकरणम्)

मत्स्य पुराण – अध्याय – 241,242,243

इकाई प्रथम

सचित्र सामुद्रिक रहस्य –पूर्वार्द्ध

इकाई द्वितीय

सचित्र सामुद्रिक रहस्य – उत्तरार्द्ध

इकाई तृतीय

षट्पंचाशिका – अध्याय–1,2,3,4

इकाई चतुर्थ

षट्पंचाशिका–अध्याय 5,6,7

इकाई पंचम

बसन्तराज शाकुन (छिक्का प्रकरणम्)

मत्स्यपुराण– 241–अङ्गस्फुरण ,242–स्वप्नविवेक,

243– शुभाशुभशकुन निरुपण

प्रश्न प्रत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र अ,ब एवं स खण्डों मे विभक्त होगा। खण्ड अ 20 अंको का, खण्ड ब– 50 अंको का एवं खण्ड स 30 अंको का होगा। खण्ड अ में 10 प्रश्न अतिलघुरात्मक विकल्प रहित होगे। खण्ड ब में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्नों का चयन करते हुए 10 प्रश्न पूछे जायेगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। खण्ड स में 05 प्रश्न (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) पूछे जायेगे। कोई दो प्रश्न हल करने होगें।

सहायक ग्रन्थ –

1. सचित्र सामुद्रिक रहस्य – कालिकाप्रसाद –ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी।
2. षट्पंचाशिका –आचार्य पृथुयशा –चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. बसन्तराजशाकुन–बसन्तराज –खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई।
4. मत्स्य पुराण वेदव्यास–गीताप्रेस गोरखपुर ।
5. हस्तसञ्जीवन भ्रमविजय –डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र,रंजन पब्लिकेशन नई दिल्ली ।